


पत्र

पत्रावली पत्र है । वाणी विहीन
उपर वि० ७० आत्म वाणी विहीन
को अन्तर्लोक कर्तव्य गदा ~~का~~
अन्तर्लोक विहीन वाणी की गई पत्रावली
को कार्यावली विशेषित नहीं पत्रावली
के फल शुभ्य होकर वायि १० वत हो
नम्बु स का हो १५


Dipankar